१ चिड़िया का गीत

१. सही उत्तर पर (✓) निशान लगाए।

(क) अंडे जैसा था आकार' — यह पंक्ति किसके लिए कही गई है?

(i) घर (ii) घोंसला

(iii) संसार (iv) शाखा

(ख) कविता में चिड़िया कब समझ पाई कि संसार बहुत बड़ा है?

(i) जब वह शाखों पर गई (ii) जब उसका घर बना

(iii) जब वह आसमान में उड़ी (iv) जब वह तिनके लाई

(ग) “हम फूलों जैसे मुस्काएँ” — इस पंक्ति का आशय है —

(i) रोना (ii) प्यार बाँटना

(iii) गुस्सा करना (iv) उड़ना

(घ) 'तब मैं यही समझती थी बस इतना-सा ही है संसार' इन पंक्तियों में 'इतना-सा' का अर्थ क्या है?

(i) बहुत छोटा (ii) बहुत लंबा

(iii) बहुत बड़ा (iv) रंग-बिरंगा

२. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए|

(क) सबसे पहले _____

_____

_____

_____ संसार।

(ख) आख़िर जब _____

_____

_____

_____ संसार।

३. सही (✓) या गलत (X) का निशान लगाए ।

(क) चिड़िया का घोंसला फूलों से बनता है। ☐

(ख) चिड़िया को पहले संसार छोटा लगता था। ☐

(ग) चिड़िया कभी उड़ नहीं पाई। ☐

(घ) कविता में चिड़िया खुले आकाश में उड़ती है। ☐

(ङ) पक्षियों का घोंसला केवल पेड़ों पर होता है। ☐

४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

(क) चिड़िया को पहले संसार कैसा लगता था?

उत्तर. _____

(ख) चिड़िया को यह संसार कब छोटा लगा?

उत्तर. _____

(ग) जब वह आसमान में दूर तक उड़ी तो उसे क्या अनुभव हुआ?

उत्तर. _____

(घ) पक्षी अपना घोंसला कैसे ढूंढते हैं?

उत्तर. _____

(ङ) क्या हम भी चिड़िया की तरह धीरे-धीरे संसार को जान पाते हैं? अपने विचार लिखिए।

उत्तर. _____

५. नीचे दिए गए शब्दों से नए शब्द बनाइए (उपसर्ग 'सु' जोड़कर) |

	मूल शब्द		नया शब्द	अर्थ
(क)	कुमार	=	_____	_____
(ख)	गंध	=	_____	_____
(ग)	यश	=	_____	_____
(घ)	विचार	=	_____	_____
(ङ)	सुपुत्र	=	_____	_____

६. पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(क) आकार = _____ (ख) संसार = _____

(ग) शाखा = _____ (घ) आसमान = _____

७. मिलान कीजिए|

(क)	(ख)
अंडे जैसा था आकार	घोंसले का वर्णन
हरी-भरी थीं जो सकुमार	शाखाओं की सुंदरता
पंख पसार	उड़ान की स्थिति
बहुत बड़ा है यह संसार	अनुभव की गहराई

८. नीचे वाक्यों में 'इतना-सा', 'उतना-सा', 'जितना-सा', 'कितना-सा' का प्रयोग कीजिए।

(क) मुझे _____ खाना ही चाहिए।

(ख) उसने _____ ही काम किया जितना कहा गया था।

(ग) तुमने _____ शोर मचाया!

(घ) मुझे _____ पेन दे दो।

९. नीचे दिए गए वाक्यों में कुछ रिक्त स्थान हैं और कुछ शब्दों के विलोम (विपरीत अर्थ) लिखने हैं। सही विलोम शब्द चुनकर वाक्यों को पूरा कीजिए।

(क) सर्दी और _____ दोनों ही ऋतुएँ हमारे लिए ज़रूरी हैं।

(ख) हमें सच्चाई बोलनी चाहिए, _____ नहीं।

(ग) दिन के बाद _____ आता है।

(घ) कड़ी मेहनत करने वाला सफल होता है, _____ नहीं।

(ङ) ऊँचाई पर चढ़ना कठिन होता है, लेकिन _____ आसान।

Answer

१.

(क) संसार (ख) जब वह आसमान में उड़ी (ग) प्यार बाँटना (घ) बहुत छोटा

२ .

(क) सबसे पहले मेरे घर का
अंडे जैसा था आकार
तब मैं यही समझती थी
बस इतना-सा ही है संसार।

(ख) आख़िर जब मैं आसमान में
उड़ी दूर तक पंख पसार
तभी समझ में मेरी आया
बहुत बड़ा है यह संसार।

३ .

(क) x (ख) ✓ (ग) x (घ) ✓ (ङ) x

४ .

(क) चिड़िया को पहले संसार बहुत छोटा लगता था।
(ख) चिड़िया को यह संसार तब छोटा लगा जब वह अंडे के अंदर थी, जब वह शाखों पर थी और जब उसका घोंसला बना था।
(ग) जब वह आसमान में दूर तक उड़ी, तो उसे अनुभव हुआ कि यह संसार बहुत बड़ा है।
(घ) पक्षी अपना घोंसला लंबी दूरी, हजारों पेड़ों और सैकड़ों घोंसलों के बीच ढूंढते हैं।
(ङ) हाँ, हम भी चिड़िया की तरह धीरे-धीरे संसार को जान पाते हैं। जब हम छोटे होते हैं, तो हमारा संसार हमारे घर और परिवार तक सीमित होता है। जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, हम नई चीजें देखते हैं, नए लोगों से मिलते हैं और नए अनुभव प्राप्त करते हैं, जिससे हमारा संसार विस्तृत होता जाता है।

५.

(क) कुमार सुकुमार कोमल अंगों वाला
(ख) गंध सुगंध अच्छी गंध
(ग) यश सुयश अच्छा यश, कीर्ति
(घ) विचार सुविचार अच्छे विचार
(ङ) पुत्र सुपुत्र अच्छा पुत्र

६.

(क) रूप, आकृति (ख) दुनिया, जग (ग) टहनी, डाली (घ) आकाश, नभ

७ .

(क) अंडे जैसा था आकार – घोंसले का वर्णन
(ख) हरी-भरी थीं जो सुकुमार – शाखाओं की सुंदरता
(ग) पंख पसार – उड़ान की स्थिति
(घ) बहुत बड़ा है यह संसार – अनुभव की गहराई

८.

(क) मुझे इतना-सा खाना ही चाहिए।
(ख) उसने उतना-सा ही काम किया जितना कहा गया था।
(ग) तुमने कितना-सा शोर मचाया!
(घ) मुझे उतना-सा पेन दे दो।

९.

(क) सर्दी और गर्मी दोनों ही ऋतुएँ हमारे लिए ज़रूरी हैं।
(ख) हमें सच्चाई बोलनी चाहिए, झूठ नहीं।
(ग) दिन के बाद रात आता है।
(घ) कड़ी मेहनत करने वाला सफल होता है, आलसी नहीं।
(ङ) ऊँचाई पर चढ़ना कठिन होता है, लेकिन उतरना आसान।

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com